दोस्ती की कहानी

डेनएिला नेज़ और इवान ड्रेज़ली द्वारा।

RAREDISEASEDAY.ORG

हर बच्चे की तरह ल्यूक को खेलना और खलिौने बहुत पसंद है।

ल्यूक कतिाबें पढ़ता है । वह काल्पनकि हवाई जहाज और भरवां जानवरों के साथ खेलता है।

ल्यूक बहुत काल्पनकि है, इस वज़ह से उसके आस-पास की हर मुश्कलि फीकी पड़ जाती है। जब ऐसा होता है, तो ल्यूक बहुत खुश होता है।

लेकिन ल्यूक हमेशा खुश नहीं रह पाता। वह एक दुर्लभ बीमारी के साथ जो जी रहा है। इस बमिारी का नाम भी वह उच्चारण नहीं कर सकता।

यह रोग अक्सर उसे थकावट देती है और कभी कभी ल्यूक को काफी दर्द भी महसूस होता है। जब ऐसा होता है तो वह शायद ही कभी बाहर खेलने जाता है। इसलिए ल्यूक अक्सर दुखी और परेशान रहता है। ऐसे परस्थितियों में तो दोस्त भी बनाना मुश्कलि हो जाता है।

ल्यूक के माता-पिता उसे कई अस्पतालों में कई डॉक्टरों के पास ले गए। ल्यूक समझ नहीं पाता था कि डॉक्टर कह क्या रहे है - वह तो सरि्फ अन्य बच्चों की तरह बाहर खेलना चाहता था।

ल्यूक का स्कूल में पहला दिन था। वह अन्य बच्चों से मिलने के लिए उत्सुक था।

स्टीवन ने ल्यूक को अपने बगल में बैठने कहा। उसने ल्यूक को बिल्डिंग ब्लॉक्स से घर बनाने के लिए आमंत्रित किया।

दोनों ने मिलकर एक बहुत बड़ा घर बनाया। सभी बच्चे उसकी प्रशंसा करने के लिए एकत्र हुए। स्टीवन और ल्यूक को अपनी रचना पर बहुत गर्व हुआ।

ल्यूक का पहला दनि अच्छा चल रहा था! लेकनि तब बाहर खेलने का समय था।

"चलो भागे!" स्टीवन बोला ।

"पर मैं दौड़ नहीं सकता," ल्यूक ने उदासी से जवाब दिया।

"ओह!" स्टीवन ने आश्चर्य से कहा।

"यह तो बड़ी बुरी बात है, मुझे वास्तव में दौड़ना पसंद है। अच्छा, तो हम फरि मलिंगे।"

स्टीवन दौड़कर मैदान के ओर भाग गया। ल्यूक उदास होकर खिड़की से बाहर खेल रहे अन्य बच्चों को देखने लगा।

दिन बीतने लगा, और अक्सर ल्यूक अकेले ही अंदर रहता क्योंकि वह अन्य बच्चों के साथ इधर-उधर भाग नहीं पाता। वह नहीं चाहता था कि किसी और को उसके दुख के बारे में पता चले।

कभी-कभी, ल्यूक के माता-पिता अस्पताल जाते वक़्त उसे स्कूल से जल्दी लें जाते । एक बार,अस्पताल के वज़ह से ल्यूक स्कूल के एक दोस्त के जन्मदिन की पार्टी में शामिल नहीं हो पाया। ल्यूक बहुत उदास हो गया।

स्कूल में, कुछ बच्चे कहने लगे कि उन्हें ल्यूक के साथ खेलना नहीं चाहिए क्यूंकि उसके साथ खेलने में कोई मज़ा है ही नहीं। एक सहपाठी ने ल्यूक को अपने जन्मदिन पार्टी में आमंत्रित नहीं किया क्योंकि उसके माँ ने कहा कि ल्यूक ना आए तो बेहतर होगा।

"जब वह तुम्हारे साथ खेल भी नहीं सकता तो उसे क्यों आमंत्रित करें? जब देखो वह कमरे के कोने में बैठा रहता है जबकि अन्य बच्चे खेल रहे होते हैं।" ल्यूक की उदासी गहरी होती गई।

लेकनि फरि एक दनि, ल्यूक के दोस्त स्टीवन का पैर टूट गया, और उसके पैर को कास्ट में डाल दयिा गया। अन्य बच्चों को खेलते हुए देख स्टीवन ल्यूक के बगल बैठ गया। पूरे दनि स्थरि रहना स्टीवन को नरिाशाजनक लगा।

 ल्यूक बोला, " मुझे दुःख है की तुम्हें चोट लगी है । आशा करता हूँ की तुम जल्द ही फरि से दौड़ सको।"

उस दनि स्टीवन को समझ आई की ल्यूक के मन में क्या बीतती होगी। उसे महसूस हुआ की अन्य सभी बच्चों को खेलते हुए देखना और अंदर रहना कतिना कठनि था।

स्टीवन जान गया की ल्यूक के लिए प्रतदिनि अकेले बैठना कतिना कठनि है। ल्यूक अन्य बच्चों के साथ खेल नहीं सकता और यह ल्यूक की गलती नहीं है।

कई हफ्तों के बाद, आख़रि स्टीवन का पैर ठीक हो गया। अब वह फरि से दौड़ सकता था। परंतु, वह यह नहीं भूला कि कास्ट पहनकर उसे कतिना दुख हुआ था। स्टीवन ने ल्यूक को मदद करने का दृढ़ संकल्प लयिा।

ल्यूक का जन्मदिन आने वाला था और ल्यूक को डर था कि उसके पार्टी में कोई नहीं आएगा। स्कूल में कई बच्चे उसे वर्जित करने लगे थे।

ल्यूक को यह पता नहीं था कि उसका दोस्त स्टीवन एक सरप्राइज तैयार कर रहा है...

पार्टी के दिन ल्यूक प्लेरूम में इंतजार कर रहा था। जूस, केक और नाश्ता था - केवल अन्य बच्चे नहीं थे!

ल्यूक खिड़की से बाहर घूर रहा था, उम्मीद कर रहा था कि कोई तो आएगा। थोड़ी देर इंतजार के बाद भी कोई नहीं आया। ल्यूक उदास और निराश हो गया।

अचानक उसे बाहर से तेज आवाज सुनाई दी। स्टीवन दरवाज़े से अंदर आया। उसके पीछे कक्षा के अन्य बच्चे भी थे।

ल्यूक के जन्मदनि पर सारे बच्चे आ गए। वे बल्डिंगि ब्लॉक्स, पेंट और कागज लाए। उन्होंने ल्यूक के साथ मलिकर हर तरह के इनडोर गेम खेले।

उनके आने से पहले स्टीवन ने अन्य बच्चों को ल्यूक के बारे में समझा रखा था। ल्यूक को खेल खेलना तो पसंद है, पर वह अपनी बीमारी के कारण जल्द ही थक जाता है। इसलएि इंडोर गेम्स बेहतर हैं। ल्यूक के बारे में समझने के बाद , सारे बच्चे उत्सुकता से शामलि होना चाहते थे। ल्यूक बहुत खुश था।

ल्यूक के जन्मदनि की पार्टी के बाद, स्टीवन अक्सर स्कूल में ल्यूक के बगल में बैठने लगा। बाकी बच्चे भी ल्यूक के साथ अंदर आकर गेम खेलने लगे। ल्यूक को अब भी बार-बार अस्पताल जाना पड़ता था, पर ल्यूक अब अकेलापन महसूस नहीं करता।

बड़ा होकर ल्यूक एक प्रसदि्ध चति्रकार बन गया, और उसकी कक्षा के कई दोस्त उसकी प्रदर्शनियों देखने आते। वे पत्रकारों को गर्व से बताते कि ल्यूक उनका दोस्त है। ल्यूक अपने दोस्तों की मेहरबानी कभी नहीं भूला। ल्यूक के दोस्त समावेशी जो हो गए थे।

दोस्ती की कहानी

इस कहानी का मूल संस्करण डेनजिला नेज़ और इवान ड्रेज़्ल द्वारा सर्बयिाई भाषा में है।

रेर डज़िसि दविस के संगठन से इस पुस्तक को उसके मूल सर्बयिाई भाषा से ऑर्गनाइजेशन फॉर रेयर डजिीज इंडयिा द्वारा रूपांतरति कयिा गया है।